www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY/169/2015-2017

प्रखर...मुखर...स्वर

विदर्भ की बात SUNDAY

● वर्ष 17 ● अंक 99 नागपुर, रविवार, 5 मार्च 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

अमेरिका में एक और भारतीय की हत्या

न्यूयार्क

अमेरिका में 43 वर्षीय भारतीय मूल के एक व्यवसायी की उसके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के कुछ दिन पहले ही 22 फरवरी को अमेरिका के कंसास में एक घृणा अपराध में भारतीय मूल के एक इंजीनियर को गोली मार दी गई थी, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 43 वर्षीय हरनिश पटेल, दक्षिण अमेरिका के लैंकेस्टर काउंटी में एक स्टोर का मालिक था। गुरुवार (2 मार्च) को उन्हें उनके घर के सामने के यार्ड में मृत पाया गया। उसके शव पर बंदूक की गोली के जख्म के निशान थे। द हेराल्ड की खबर के अनुसार, पटेल अपना स्टोर बंद कर अपनी सिल्वर रंग की मिनीवैन मैं बैठकर पास में स्थित अपने घर गए थे और अधिकारियों का मानना है कि वहां उनका सामना उनके हत्यारे से हुआ होगा।

पुलिस ने बताया कि उसके मृत पाए जाने से बामुश्किल 10 मिनट पहले ही उसने स्टोर बंद किया था। लैंकेस्टर काउंटी कोरोनर कार्यालय के एक बयान के अनुसार, पटेल आधी रात होने से कुछ समय पहले यार्ड में मृत पाए गए थे। लैंकेस्टर काउंटी की पुलिस को रात को 11 बजकर 33 मिनट पर इसकी सूचना मिली थी। लोगों ने पुलिस को फोन कर बताया था कि उन्हें गोली चलने और चिल्लाने की आवाज सुनाई दी है। शेरिफ बैरी फैले ने बताया कि ऐसा नहीं लगता कि घटना की वजह पटेल का भारतीय होना है।

केरल दुष्कर्म मामले में पांच ननों समेत आठ पर मामला दर्ज

कन्नूर

केरल के कन्नूर जिले में एक चर्च के पादरी द्वारा 16 वर्षीय नाबालिग युवती से दुष्कर्म के मामले में पांच ननों समेत आठ पर मामला दर्ज किया गया है। इनमें उस निजी अस्पताल का चिकित्सक भी शामिल है, जहां पीड़िता ने 7 फरवरी को एक बच्चे को जन्म दिया था। सभी पर मामले से जुड़े तथ्य छिपाने का आरोप है।

सभी आरोपियों पर पोक्सो एक्ट और जुवेनाइल एक्ट की गैर जमानती धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। वायनाड जिले की बाल कल्याण कमेटी के अध्यक्ष और एक सदस्य के खिलाफ तथ्य छिपाने की रिपोर्ट राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और कन्नूर जिले के पुलिस अधीक्षक को भेजी गई है। रिपोर्ट में अधिकारियों से नवजात शिशु के संबंध में जानकारी छिपाने के मामले में इनके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। ज्ञात हो कि युवती की मां की शिकायत पर 28 फरवरी को पादरी रॉबिन उर्फ मैथ्यू वडाक्कनचेरिल को गिरफ्तार किया गया था।

यूपी विधानसभा चुनाव

छठे चरण में हुआ 57.03 प्रतिशत मतदान

लखनऊ

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में छठे चरण के मतदान समाप्त हो गए हैं। छठे चरण में 57.03 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। इस चरण में 49 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हो रहे थे।

उत्तरप्रदेश के मुख्य निवार्चन अधिकारी के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार करीब 57 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। मतदान शांतिपूर्वक चला और कहीं से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है।

छठे चरण में नेपाल से सटे महराजगंज और कुशीनगर के साथ-साथ गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़, मउ तथा बलिया जिलों में सुबह सात बजे मतदान शुरू हो गया जो शाम पांच बजे तक चला। गोरखपुर से भाजपा के तेजतर्रार नेता योगी आदित्यनाथ लोकसभा सांसद हैं। देवरिया से केन्द्रीय मंत्री कलराज मिश्र लोकसभा सांसद हैं, जबकि मउ से मुख्तार अंसारी मुकाबले में हैं। गैंगस्टर से नेता बने अंसारी इस समय जेल में हैं।

छठे चरण में 77 लाख 84 हजार महिलाओं समेत करीब एक करोड़ 72 लाख 86 हजार 327 मतदाता 63 महिलाओं सहित कुल 635 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। इसके लिये 10 हजार 820 मतदान केन्द्र तथा 17 हजार 926 मतदेय स्थल बनाये गये हैं। इनमें से 1186 मतदान केन्द्रों को संवेदनशील माना गया है। मतदान को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के लिये पर्याप्त संख्या में पुलिस तथा केन्द्रीय बल तैनात किया गया है। वर्ष 2012 में इन सीटों में से सपा ने 27, बसपा ने नौ, भाजपा ने सात तथा कांग्रेस ने चार सीटें जीती थी, जबकि दो सीटें अन्य के खाते में गई थीं। ■ शेष पृष्ठ 2 पर

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुआ मणिपुर विधानसभा चुनाव का पहला चरण

मणिपुर विधानसभा चुनाव का पहला चरण कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। यहां पर एक बजे तक 69 फीसदी वोटिंग हुई। इससे पहले, राज्य में शनिवार की सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया और यह तीन बजे तक चला।

खुराई विधानसभा क्षेत्र की उम्मीदवार इरोम शर्मिला ने भी अपना वोट डाला। इरोम अपनी जीत को लेकर पूरी तरीके से आश्वस्त नजर आईं, वहीं चुनाव के दौरान इरोम शर्मिला की पार्टी प्रजा के कार्यकर्ता एरेनड्रो पर कुछ अज्ञात हमलावरों द्वारा हमला किया गया, जिसमें उन्हें हल्की चोटें आईं हैं। मणिपुर विधानसभा के चुनाव दो चरण में हो रहे हैं।

पहले चरण में 38 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान किया गया। इसके लिये इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर और पहाड़ी जिलों चूड़ाचंदपुर और कांगपोकपी में फैले इन इलाकों में 1,643 मतदान केंद्र स्थापित किये गये थे। पहले चरण में कुल 168 उम्मीदवार की किस्मत का फैसला

मतपेटी में बंद हो गया। मतदाताओं की कुल संख्या 19,02,562 है जिनमें से 9,28,562 पुरुष और 9,73,989 महिला मतदाता हैं। नए मतदाताओं की संख्या 45,642 है। कुल 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव की दौड़ में शामिल सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपना चुनाव प्रचार मुख्यत: यूनाइटेड नगा काउंसिल द्वारा लागू आर्थिक नाकेबंदी और इसे तोड़ने में राज्य सरकार की नाकामी पर फोकस किया है। कथित विकास की कमी, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, कोषों का दुरुपयोग और राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों को भी राजनीतिक पार्टियों ने उठाया है।

संसद में महंगाई और किसानों की आत्महत्या के मुद्दे को उठाएगा विपक्ष

नई दिल्ली

उत्तरप्रदेश समेत पांच राज्यों के चुनाव में महंगाई को मुद्दा बनाने में चूका विपक्ष अब बजट सत्र के दूसरे चरण में इसे संसद में उठाने की तैयारी कर रहा है। रसोई गैस तथा चीनी की कीमतों में ताजा वृद्धि के बहाने महंगाई के मसले को उठाने की कोशिश होगी, तो किसानों की आत्महत्या रोकने के लिए सरकारी पहल पर सुप्रीम कोर्ट की जाहिर की गई चिंता का हवाला देते हुए किसानों की बदहाली पर भी संसद के दोनों सदनों में चर्चा के लिए विपक्ष नोटिस देगा।

चुनाव अभियान के दौरान महंगाई के मुद्दा नहीं बन पाने के बाद संसद में उठाने की विपक्षी की रणनीति की तात्कालिक वजह गैर सबसिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर के दाम में की गई वृद्धि के साथ ही चीनी की कीमतों में हो रहा इजाफा है। विपक्षी दलों की अगुवाई कर रही कांग्रेस ने दो दिन पहले इनकी कीमतों में इजाफे पर पार्टी मंच से सवाल उठाते हुए सरकार को घेरा भी था। हालांकि राज्यों के चुनाव में कांग्रेस समेत तमाम दलों ने महंगाई के मुद्दे को एक तरह से भुला दिया।

चुनाव बीतने के बाद संसद में महंगाई के मसले को उठाने की पार्टी की तैयारी के औचित्य के बारे में सवाल पर कांग्रेस प्रवक्ता मनीष तिवारी ने कहा कि महंगाई का मसला केवल चुनावी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि यह बात जरूर है कि चुनाव में महंगाई के मुद्दे को जितनी तवज्जो मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिली। तिवारी ने कहा कि भाजपा की उत्तर प्रदेश में सियासी विमर्श को ध्रुवीकरण की ओर ले जाने की कोशिशों की वजह से यह मुद्दा चुनाव में जैसा उठना चाहिए था उस तरीके से नहीं आ सका। किसानों की आत्महत्या का समाधान निकालने के लिए सरकार को सुप्रीम कोर्ट के शुक्रवार को दिए निर्देश की इसी क्रम में चर्चा करते हुए मनीष तिवारी ने कहा कि विपक्ष किसानों की बदहाली के मुद्दे पर हर सत्र में सरकार से ठोस कदम की मांग करता रहा है। मगर पिछले 33 महीने में इस सरकार ने किसानों और आम आदमी की फ्रिक नहीं की बल्कि उद्योग जगत के हित की चिंता उसकी प्राथमिकता रही है।

बीएमसी मेयर के लिए शिवसेना का समर्थन करेगी भाजपा- सीएम

मुंबई

महाराष्ट्र का राजनीतिक घटनाक्रम शनिवार को तेजी से बदल गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहन्न मुंबई नगर निगम (बीएमसी) मेयर, डिप्टी मेयर के चुनाव में भाजपा उम्मीदवार नहीं उतारने का एलान किया। उन्होंने शिवसेना का बिना पद समर्थन देने का प्रस्ताव भी किया। शिवसेना ने मेयर और डिप्टी मेयर के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी।

बीएमसी मेयर और डिप्टी मेयर के लिए 8 मार्च को मतदान होना है। देश के सबसे बड़े और धनी निगम में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। 227 सदस्यीय बीएमसी में शिवसेना के 84 और भाजपा के 82 पार्षद हैं। शिवसेना के पक्ष में चार निर्दलीय पार्षद भी हैं, जबकि अखिल भारतीय सेना की पार्षद गीता गवली ने भाजपा का समर्थन करने की बात कही है। फडणवीस ने शनिवार को कहा कि भाजपा निगम के दोनों शीर्ष पदों के लिए अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के पारदर्शी निकाय प्रशासन के एजेंडे पर विश्वास करते हुए मुंबई की जनता ने जबरदस्त तरीके से पार्टी के पक्ष में मतदान किया।

शिवसेना सबसे बड़े दल के रूप में उभर कर सामने आई, जबकि भाजपा को उससे दो सीटें कम मिलीं। अपने दम पर मेयर बनाने के लिए पार्टी के

पास पार्षदों की पर्याप्त संख्या नहीं है। भाजपा ने बीएमसी की किसी भी समिति में शामिल होने से भी इन्कार किया है। ऐसे में शिवसेना का रास्ता साफ हो गया है।

शिवसेना के वरिष्ठ नेता अनिल परब ने मेयर पद के लिए विश्वनाथ महादेश्वर और डिप्टी मेयर के लिए हरेश्वर वर्लीकर के नामों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि बीएमसी के मेयर पद के चुनाव का सरकार के स्थायित्व से कोई लेना-देना नहीं है।

उनकी सरकार स्थिर है। फडणवीस ने बताया कि शुक्रवार को कैबिनेट बैठक में शिवसेना के मंत्री भी शामिल हुए थे। मालूम हो कि बीएससी चुनावों को लेकर पिछले कुछ महीनों में भाजपा और शिवसेना के बीच तल्खी काफी बढ़ गई थी। महाराष्ट्र सरकार से समर्थन वापस लेने पर विचार करने तक की बातें होने लगी थीं।

11 मार्च के नतीजों में साफ हो जाएगा सपा-बसपा का सूपड़ा - मोदी

जौनपुर

अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भव्य रोड शो करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जौनपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने सपा-कांग्रेस गठबंधन और बसपा पर जमकर हमला बोला। पीएम ने कहा कि 11 मार्च के नतीजे में सपा, कांग्रेस और बसपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

पीएम ने कहा कि पूर्व सैन्यकर्मी पिछले 40 साल से ओआरओपी की मांग करते आ रहे थे लेकिन इतने सालों तक कुछ नहीं हुआ। सत्ता में आने से पहले हमने वादा किया था कि भाजपा की सरकार बनने पर हम ओआरओपी लागू करेंगे और हमने अपना वादा पूरा किया।

पीएम ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाने वाले लोगों को जौनपुर आना चाहिए और शहीदों के परिवारों से पूछना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

हमारा मंत्र सबका साथ, सबका विकास

पीएम ने कहा कि 11 मार्च को सपा, बसपा और कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने वाला है। आप मुझे बहुमत दीजिए, मैं आपको 2022 में अपना हिसाब दूंगा। अब तक के चुनाव में यूपी की जनता भाजपा को जिता चुकी है, अब जो भी होगा वो बोनस होगा। भाजपा का एक ही मंत्र है, सबका साथ, सबका विकास। कुछ पार्टियों का मंत्र है, कुछ का ही साथ, कुछ का ही विकास।

राहुल-अखिलेश और मायावती पर हमला

मोदी ने कहा कि जिन लोगों ने यूपी को तबाह किया है, 8 तारीख को उनका पिंडदान करने का काम करना है।

नोटबंदी के बाद बुआजी को भी तकलीफ, बुआजी के भतीजे को भी तकलीफ और भतीजे के यार को भी तकलीफ होने लगी। सपा-कांग्रेस गायत्री प्रजापति मंत्र का जाप करते हैं। जिस गायत्री को पुलिस ढूंढ़ रही है, उसकी सभा में मुख्यमंत्री उसके लिए वोट मांगते हैं।

मतदान से पहले मोदी ने वाराणसी में किया रोड शो

यूपी विधानसभा चुनावों के लिए आखिरी चरण का प्रचार जारी है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रोड शो किया। प्रधानमंत्री के रोड शो को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अंतिम चरण में 8 मार्च को 7 जिलों की 40 सीटों पर मतदान होगा। रोड शो खत्म होने के बाद पीएम मोदी ने ट्वीट किया, काशी में मेरे लिए यह यादगार पल। पीएम मोदी ने काल भैरव मंदिर में पूजा अर्चना की। पीएम मोदी काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा के बाद काल भैरव मंदिर गये। पीएम मोदी ने रोड शो के बाद काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भ गृह में पूजा अर्चना की।

दूसरे व तीसरे स्थान के लिए लड़ रहे पीएम और सीएम - मायावती

वाराणसी

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश में सरकार बनाने जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री अखिलेश मतदाताओं का रुख देख हताश हो चुके हैं। पीएम व सीएम ने दूसरे व तीसरे नंबर के लिए वाराणसी में शनिवार को रोड शो किया। दोनों के ही रोड शो में बाहरी लोगों को भाड़े पर बुलाया गया था।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती वाराणसी की आठों विधानसभा सीट के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा संबोधित कर रही थीं। मायावती ने कहा कि मोदी खुद को प्रदेश की जनता का गोद लिया बेटा बताते हैं मगर राज्य की जनता ने उन्हें वापस

गुजरात भेजने का मन बना लिया है। उन्होंने भाजपा को भारतीय जुमला पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि मोदी जब अपना वादा पूरा नहीं कर पाए तो जनता का ध्यान भटकाने केलिए नोटबंदी का फैसला ले लिया, जिससे लाखों करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए। मोदी झूठ के पुलिंदे हैं। स्वच्छता अभियान सिर्फ नाटक, काशी की जनता के साथ गंगा मइया भी 11 मार्च को उन्हें सजा देंगी। बसपा मुखिया ने सपा पर तीखे तीर चलाते हुए कहा कि अबकी सपा के बबुआ को ठीक करने के लिए उनके चाचा शिवपाल ही काफी हैं। इस बार सपा की भाभी भी भैया को बचा नहीं पाएंगी। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल राज्य बनाने का मुद्दा उनके एजेंडे में है। इसके लिए संघर्ष जारी रहेगा।

मोदी की नहीं सुनेंगे भगवान

इधर प्रधानमंत्री काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन कर रहे थे उधर मायावती ने जनसभा में कहा कि अब तो पुजारी भी मन से आशीर्वाद नहीं दे रहे हैं। मोदीजी चाहे कितना ही दर्शन-पूजन कर लें, उनकी अब भगवान भी नहीं सुनेंगे।

चाय की चुस्कियों पर भारी कॉफी की कड़वाहट

नई दिल्ली

देश का जायका बदल रहा है। चाय पर चकल्लस को गेट टुगेदर विद कॉफी का चलन जोर का झटका दे रहा है। कड़क और मसाला चाय जैसे लुभावनी वैरायटी की चाय के बीच कोल्ड कॉफी और कैपुचीनो अपनी जगह मजबूत कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्था मिंटेल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक देश की अनाधिकृत राष्ट्रीय पेय बन चुकी चाय को कॉफी कड़ी चुनौती दे रही है।

बढ़ता बाजार

दुनिया के तेजी से उभरते कॉफी बाजारों में 15.1 फीसद सालाना वृद्धि के साथ भारत तीसरे स्थान पर है। 2012 में कॉफी बाजार 2,420 करोड़ रुपये का था,

जो 2016 में 71 फीसद की वृद्धि के साथ 4,140 करोड़ रुपये का हो गया। पहले स्थान पर इंडोनेशिया और दूसरे पर तुर्की हैं। कॉफी उत्पादन में भारत दुनिया में छठे स्थान पर है।

चाय बनाम कॉफी

1820 में ब्रिटिश सरकार ने असम में चाय का उत्पादन शुरू किया। 1920 में यह पेय के रूप में लोगों के बीच लोकप्रिय हुई। देश की कुल शहरी आबादी में 83 फीसद लोग चाय पीते हैं। देश में 1898 में पहली बार एक ब्रिटिश नागरिक ने आंध्रप्रदेश के लोगों को कॉफी से परिचित कराया, जबकि इसका उत्पादन 1960 में शुरू हुआ। देश में 12 में से सिर्फ एक घर में कॉफी पी जाती है। कॉफी पीने वाली कुल आबादी में से 80 फीसद लोग उन दक्षिणी राज्यों में रहते हैं जहां इसकी पैदावार होती है।

बदलती स्थिति

देश में अलग-अलग कंपनियों के कैफे खुलने के बाद कॉफी संस्कृति को बढ़ावा मिला। शहरी आबादी ने कोल्ड कॉफी, कैपुचीनो, एस्प्रेस्सो जैसी कॉफी की नई वैरायटी का लुत्फ उठाना शुरू किया। इसके बाद इन किस्मों के रेडी टू यूज पैकेट बाजार में आए जिसे लोगों ने हाथोंहाथ लिया। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों में कॉफी के चलन को एक कदम आगे बढ़ाते हुए कई कॉफी कैफे कॉफी बीन्स से ताजा पाउडर बनाकर कॉफी तैयार करने लगीं। इससे कॉफी की खुशबू और स्वाद में इजाफा हुआ। कई कैफे में लोगों को कॉफी पर कलाकारी करना भी सिखाया जाता है जिसे लैटे आर्ट कहते हैं।

अभिजात्य बनने की ललक

क्रयशक्ति बढ़ने के साथ देश के एक तबके में अभिजात्य बनने की ललक को भी कॉफी के बढ़ते बाजार की वजह के रूप में देखा जाता है। चाय को गरीबों के पेय का तमगा हासिल है।